भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 55 का उत्तर

दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे

***55. श्रीमती जून मालिया:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि यूनेस्को विश्व विरासत स्थल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) राष्ट्रीय राजमार्ग-10 के साथ-साथ कई भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों से होकर गुजरती है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों अथवा खंडों के नाम क्या हैं जहां यह संरेखण राष्ट्रीय राजमार्ग-10 को ओवरलैप करता है या उसके समानांतर चलता है;

(ग) राष्ट्रीय राजमार्ग-10 के साथ-साथ चलने वाले इस मार्ग की अनुमानित लंबाई (किलोमीटर में) कितनी है; और

(घ) राष्ट्रीय राजमार्ग-10 (दार्जिलिंग-सिलीगुड़ी सड़क) की कुल लंबाई कितनी है और दार्जिलिंग हिमालयन रेल मार्ग इस राजमार्ग के कितने प्रतिशत हिस्से पर व्याप्त है अथवा इसे ओवरलैप किया है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 23.07.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 55 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) 88 किलोमीटर लंबी छोटी आमान (2 फीट चौड़ी) रेल लाइन है जो न्यू जलपाईगुड़ी को दार्जिलिंग से जोड़ती है। इस लाइन का निर्माण 1881 में किया गया था। लगभग 55 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग-110 की संरचना के समान संरचना पर किया गया था।

इस रेल लाइन को इसकी अनूठी प्रकृति के कारण, 5 दिसंबर 1999 को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। यह मान्यता प्राप्त करने वाली भारत की पहली पर्वतीय रेलवे थी।

व्यस्त अवधि के दौरान, इस लाइन पर प्रतिदिन 15 रेलगाड़ियां चलती हैं। इनमें दार्जिलिंग और घूम के बीच 13 जॉय राइड और 2 पूर्ण-सेवा रेलगाड़ियां शामिल हैं।

इस लाइन की खंडीय गति 15/20 किमी प्रति घंटा है। बहरहाल, जिन स्थानों पर यह लाइन घने इलाकों से होकर गुजरती है, वहाँ संरक्षा कारणों से 5 किमी प्रति घंटे का गति प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे स्थानों का विवरण इस प्रकार है:

- **कुर्सियांग स्टेशन से टूरिस्ट लॉज (200 मीटर)**
- **रंगबुल रोपवे से रंगबुल फाटक (264 मीटर)**
- **जोरेबंगलो से पासंग बिल्डिंग (400 मीटर)**
- **दाली से मेरी रिसॉर्ट (100 मीटर)**
- **एसबीआई एटीएम से दार्जिलिंग स्टेशन (100 मीटर)**

उपरोक्त स्थानों पर, रेलगाड़ियों का परिचालन रेल कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। एक रेल कर्मचारी रेलगाड़ियों के आगे-आगे झंडा लेकर लोगों को सचेत करने के लिए सीटी बजाते हुए चलता है। जनता को सचेत करने के लिए क्रॉसिंग पर साइनबोर्ड भी लगाए गए हैं।

स्थानीय लोगों, विक्रेताओं और पर्यटकों को रेल संरक्षा के बारे में जागरूक करने के लिए पूरे वर्ष जागरूकता अभियान भी चलाए जाते हैं।

*****